केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 260 शनिवार 13 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

स्कंदमाता : जीवों में नवचेतना देती हैं दुर्गा की पांचवीं शक्ति

सिंहसनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी।।

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वालीं स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा–अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है।

स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं।

इस देवी की चार भुजाएं हैं। ये दाईं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बाईं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है।

शास्त्रों में इसका काफी महत्व बताया गया है। इनकी उपासना से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। भक्त को मोक्ष मिलता है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांतिमय हो जाता है। अतः मन को एकाग्र रखकर और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक या भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं आती है।

उनकी पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों को पैदा करने वाली शक्ति है। यानी चेतना का निर्माण करने वालीं। कहते हैं कालिदास द्वारा रचित रघुवंशम महाकाव्य और मेघदूत रचनाएं स्कंदमाता की कृपा से ही संभव हुईं।

एक नजर

दो मतदान केन्द्र बदले गये

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विधानसभा क्षेत्र311–महादेवा (अ.जा.) के मतदेय स्थल संख्या–364 एवं 365 का मतदान केन्द्र अब प्राथमिक विद्यालय, परेवा कक्ष संख्या–1 व 2 में स्थापित किया जायेंगा। उक्त जानकारी जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने दिया है। उन्होने बताया कि मतदेय स्थल संख्या–364 एवं 365 के मतदान केन्द्र ग्राम सचिवालय, परेवा कक्ष संख्या–1 व 2 में पर्याप्त स्थान न होने के कारण उसके स्थान पर प्राथमिक विद्यालय, परेवा कक्ष संख्या–1 व 2 में स्थापित किये जाने हेतु संशोधन प्रस्ताव आयोग के अनुमोदनार्थ प्रेषित किया गया था। उन्होने बताया कि उपरोक्त संशोधन प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है।

कार गड्ढे में गिरी, 2 घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुन्डेरवा थाना क्षेत्र के मुन्डेरवा महादेवा मार्ग पर खडौहा गाँव के पास तीन शुक्रवार को दिन में अनियन्त्रित वैन सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई वाहन में सवार एक बच्ची सहित अधेड़ व्यक्ति चोटिल हो गए।जानकारी के अनुसार राम चन्द्र ५० वर्ष अपने पोती आंचल १० वर्ष को छोड़ने कुरियार जा रहे थे कि खडौघ्हा गाँव के पास अचानक वैन अनियन्त्रित हो कर सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई दुर्घटना में आँचल सहित राम चन्द्र को चोटें आई राम चन्द्र के अनुसार गायघाट घर से निकल कर कुरियार में अपने रिश्तेदार के घर पोती को लेकर छोड़कर कैथवलिया गाँव में ब्याही बेटी की बिदाई कराने के लिए आए थे।

'आप' को आशंका: दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगा सकती है केन्द्र सरकार

नई दिल्ली (आभा)। अरविंद केजरीवाल और अन्य आम आदमी पार्टी नेता लगातार यह कह रहे हैं कि वे (अरविंद केजरीवाल) जेल से ही दिल्ली सरकार चलाएंगे। संविधान में कहीं भी जेल से सरकार चलाने को लेकर कोई प्रतिबंध नहीं है और इस कारण अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार चलाने के लिए स्वतंत्र हैं। वहीं, भाजपा लगातार कह रही है कि जेल से सरकार चलाना संभव नहीं है। व्यावहारिक बाध्यताओं के साथ–साथ नैतिकता के आधार पर भी जेल से सरकार चलाना सही नहीं है और इस कारण अरविंद केजरीवाल को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले की जांच को लेकर 21 मार्च से जेल में बंद हैं।

एक सनसनीखेज दावा करते हुए अरविंद केजरीवाल सरकार की वरिष्ठ मंत्री आतिशी मार्लेना ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार को गिराकर

राष्ट्रपति शासन लगाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने उपराज्यपाल के द्वारा गृह मंत्रालय को लिखे गए पत्र पर भी आपत्ति जताई। आतिशी ने कहा कि किसी राज्य में कोई सरकार रहे, या न रहे, इसका निर्णय सदन के पटल पर होता है। बीते 17 फरवरी को ही अरविंद केजरीवाल सरकार ने दिल्ली विधानसभा के पटल पर अपना बहुमत साबित किया था। ऐसे में एक पूर्ण बहुमत वाली सरकार को किसी भी तरीके से गिराना सही नहीं होगा।

आतिशी ने आगे कहा, अगर राजनीतिक साजिश के तहत दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाया गया तो यह गैरकानूनी होगा। हम दिल्ली के लोगों से भी कह रहे हैं कि उन्हें डरने की जरूरत नहीं है।आतिशी ने आगे कहा, अरविंद केजरीवाल जेल में रहें या जेल से बाहर रहें, वह दिल्ली के लोगों के लिए काम करते रहेंगे। उन्होंने दिल्ली की महिलाओं को जो एक हजार रुपये देने का वादा किया है कि वह मिल कर रहेगा, महिलाएं घबराएं नहीं।

सपा को मिला आप का समर्थन

लखनऊ (आभा)। यूपी में समाजवादी पार्टी को आम आदमी पार्टी का भी समर्थन मिल गया है। आप के कार्यकर्ता अब सपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उसके प्रत्याशियों को जिताने के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। शुक्रवार को लखनऊ में सपा कार्यालय पहुंचे आप सांसद संजय सिंह ने अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में इसका ऐलान किया। संजय सिंह ने कहा कि जब हमारी पार्टी के मुखिया को जेल में डाला गया तो सपा ने हमारा साथ दिया। इस लड़ाई में सपा और अखिलेश जी के हम लोग आभारी हैं। यह चुनाव सामान्य चुनाव नहीं है। यह लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान को बचाने का चुनाव है। तानाशाह के खिलाफ लोगों को एकजुट करने की चुनाव है।

ओम प्रकाश राजभर को मातृ शोक, निजी अस्पताल पर लगाया मेडिकल लूट का आरोप

लखनऊ (आभा)। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मेडिकल लूट आरोप लगाया है। पंचायत राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने आरोप लगाया है कि लखनऊ के एक निजी हास्पिटल ने उनकी मां के इलाज के लिए चार दिन में चार लाख रुपये लूट लिए और इलाज भी ठीक से नहीं किया। हालत बिगाड़ने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज के शताब्दी लखनऊ में भर्ती कराया जहां उनका निधन होगा। ओमप्रकाश राजभर ने इस प्रकरण की शिकायत प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से की है।

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मां की जब तबीयत बिगड़ी तव वे चुनाव प्रचार के लिए बिहार गए हुए थे। उन्होंने कहा कि मेरा बेटे अरविंद और अरुण मां को एंबुलेंस से लेकर अस्पताल पहुंचे। राजभर ने कहा कि एंबुलेश में मां होश में बात करते हुए आई, लेकिन वहां बेहोश रही। चार दिन में कोई सुधार नहीं हुआ और अस्पताल प्रशासन के लोग जो हमारे जैसों को लूट रहे हैं तो गरीब को भी लूट रहे हैं।

दरअसल, ओमप्रकाश राजभर की मां का गुरुवार को निधन हो गया है। ओमप्रकाश राजभर की मां इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थीं। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। ओमप्रकाश राजभर की मां का नाम जितना देवी था। 85 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। जानकारी के मुताबिक राजभर की मां फेफड़ें की बीमारी से पीड़ित थी। आज उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर की माता जी श्रीमति जितना देवी के निधन पर शोक जताया और दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

ईवीएम व वीवीपैट पर जीपीएस से होगी निगरानी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अबकी बार चुनाव में इस्तेमाल होने वाली ईवीएम व वीवीपैट पर जीपीएस से नजर रखी जाएगी। जिन वाहनों में इन मशीनों को रखा जाएगा, उनमें जीपीएस लगाया जाएगा। ईवीएम के उपयोग संबंधी जितने भी कार्य होंगे, उनमें सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया जाएगा। इतना ही नहीं ईवीएम को मतदान केंद्रों में भेजने से पहले भी सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इन्हें सील किया जाएगा। गौरतलब है कि जिले में छठे चरण में 25 मई को लोकसभा सीट पर चुनाव होगा। मतदान की तैयारी अभी से चल रही है। चुनाव के लिए तकरीबन 2151 ईवीएम और इतने ही वीवीपैट मशीनों की जरुरत रहेगी। इसके अलावा दस फीसदी अतिरिक्त मशीनें रिजर्व में रहेंगी। मतदान के वक्त वीवीपैट मशीन पर मतदाता यह देख सकता है कि जो वोट उसने डाला है, वह किसे मिला है। अक्सर चुनाव में हार के बाद प्रत्याशी ईवीएम मशीनों पर सवाल उठाते हैं। इसे देखते हुए चुनाव आयोग ने ईवीएम के इस्तेमाल में पूरी पारदर्शिता बरतने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसी के तहत चुनाव में लगे 150 वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगा रहेगा। इसकी ऑनलाइन निगरानी की जाएगी।

चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार जीपीएस लगे वाहन अथवा मोबाइल एप आधारित जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से ईवीएम और वीवीपैट की आवाजाही की निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। एडीईओ सुभाष सिंह ने बताया कि वेब पोर्टल अथवा मोबाइल एप के माध्यम से ईवीएम और वीवीपैट की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ईवीएम नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा। यहीं से ईवीएम वाले वाहनों पर लगातार नजर रखी जाएगी और इसकी रिकॉर्डिंग भी होगी। यह भी पता चल सकेगा कि वाहन किस रास्ते से कहां तक गए हैं।

दारोगा को पीटने वाले मुख्य आरोपी का नाम एफआईआर से बाहर, अखिलेश यादव ने सीएम योगी को घेरा

वाराणसी (आभा)। काशी विश्वनाथ मंदिर के पास स्थित शहर के सबसे व्यस्त चौराहे गोदौलिया पर दारोगा को पीटने वालों की पांच दिन बाद भी गिरफ्तारी तो दूर की बात मुख्य आरोपी का नाम ही एफआईआर से बाहर कर दिया गया है। इसे लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीधे सीएम योगी को घेरा है। यहां तक आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री आवास से फोन आने पर योगी के खासमखास का नाम एफआईआर से हटा दिया गया है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि जिसकी शादी में मुख्यमंत्री जी प्रोटोकॉल तोड़कर गये हों, उसकी ही इतनी हिम्मत होगी कि वो किसी पुलिसवाले को सरेआम मारे। जबकि सब कुछ जनता के सामने बीच–बाजार हुआ फिर भी भाजपाई दबंगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस घटना के बाद पूरे पुलिस विभाग का मनोबल गिरा है और अंदर–ही–अंदर आक्रोश पनप रहा है।

अखिलेश ने आगे लिखा कि भाजपाइयों द्वारा किये गये अपराधों के खिलाफ यूपी की भाजपा सरकार जीरो कार्रवाई करती है। जो सरकार पुलिस का मनोबल तोड़ती है वो कहीं–न–कहीं अपराधियों के हौसले बुलंद करती है। भाजपा ये नहीं कह सकती है कि विपक्ष झूठे आरोप लगा रहा है क्योंकि ये तो दिनदहाड़े घटी घटना है, जिसके सैकड़ों गवाह हैं। जो सरकार अपनी पुलिस के मान–सम्मान की रक्षा नहीं कर सकती, वो भला गरीब, किसान, महिला व विरोध कर रहे बेरोजगार युवाओं की

हिफाजत क्या करेगी।

अखिलेश यादव ने सपा के उस पोस्ट को रिपोस्ट भी किया है, जिसमें सीएम योगी वाराणसी में आयोजित हिन्दु युवा वाहिनी के पूर्व मंडल प्रमुख अंबरीष सिंह भोला की शादी में शामिल होने पहुंचे थे। अंबरीश सिंह भोला की शादी की फोटो के साथ लिखा है कि योगी जी कहते हैं कि उनके राज में जो कानून के साथ खिलवाड़ करेगा वो मिट्टी में मिला दिया जाएगा। लेकिन योगी जी के खासमखास चेले अम्बरीष सिंह भोला के नेतृत्व में गठित हियुवा के उद्दंड, गुंडे, बदमाश लोगों की एक पूरी टीम है जो ना सिर्फ कानून को रौंद रही बल्कि कानून, पुलिस का कॉलर पकड़ रही और लात–जूते–घूंसे से कानून, पुलिस को मार रही और इन गुंडे बदमाशों को योगी जी का सीधा संरक्षण है। इसके कारण ये गुंडे बदमाश गिरफ्तार नहीं होते बल्कि थ्प् से योगी जी के खासमखासों का नाम लखनऊ मुख्यमंत्री निवास के फोन के बाद हटा दिया गया है।

वाराणसी में घटना वाले दिन भी अखिलेश यादव ने वारदात का वीडियो पोस्ट कर लिखा था कि देश के प्रधान संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा दरोगा के साथ हिंसक व्यवहार भाजपाई अराजकता की पराकाष्ठा है। अब देखते हैं इन असामाजिक तत्वों के घरों पर बुलडोजर कब चलता है।

रविवार की शाम गोदौलिया चौराहे पर दशाश्वमेध थाने के देवनाथपुरा चौकी पर तैनात दरोगा आनंद ने हमराहियों के साथ चेकिंग कर रहे थे। उन्होंने बिना नम्बर प्लेट की बाइक पर सवार तीन लोगों को रोक कर कागज मांगा। बाइक पर नंबर प्लेट भी नहीं लगा था। दारोगा ने नम्बर प्लेट न होने का कारण पूछा। जवाब में युवकों ने खुद को हिन्दूवादी संगठन का पदाधिकारी बताते हुए धमकी दी। इस बीच उसके कई और साथी बाइक से वहां पहुंच गए और दारोगा से दुर्व्यवहार करने लगे। दारोगा की वर्दी पर लगे नेम प्लेट को नोच लिया। दारोगा को जमीन पर गिरा दिया गया। पुलिस जीप भी क्षतिग्रस्त कर दी। आसपास खड़े सिपाही केवल युवकों को समझाते रहे। किसी की हिम्मत नहीं हुई कि युवकों पर कोई कार्रवाई करते।

पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। कई लोग पूरे घटना का वीडियो भी बनाते रहे। कुछ देर में ही थाने से फोर्स भी पहुंची और युवकों को हिरासत में लिया गया लेकिन कुछ देर में छोड़ दिया गया। घटना का वीडियो वायरल हुआ तो दारोगा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। लेकिन यहां भी खेल हो गया। दारोगा ने छह युवकों को नामजद किया लेकिन एफआईआर में केवल पांच को ही नामजद करके रिपोर्ट लिखी गई। वीडियो में दिख रहे मुख्य आरोपी अजय सिंह का नाम एफआईआर से निकाल दिया गया। अखिलेश यादव ने इसी अजय सिंह का नाम निकालने पर योगी को घेरा है। आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से फोन आने पर अजय सिंह का नाम निकाला गया।

यूपी कांग्रेस ने भी इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। लिखा कि सत्ता के संरक्षण में पल रहे गुंडों का आतंक! वाराणसी में सत्ता के नशे में चूर भाजपा द्वारा समर्थित दलों के नेताओं ने दरोगा की पिटाई कर दी। प्रदेश से बाहर करने की बजाय आदित्यनाथ सरकार गुंडों को पाल रही है! सत्ताधारी गुंडे रोजाना कानून की धज्जियां उड़ाते हैं!

दयाशंकर मिश्र बस्ती से बसपा प्रत्याशी घोषित

लखनऊ (आभा)। बहुजन समाज पार्टी ने शुक्रवार को नौ लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। पार्टी की चौथी सूची में दो मुस्लिम, जबकि तीन ब्राह्मणों को टिकट दिया गया है। वहीं, पार्टी ने अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को आजमगढ़ से चुनाव लड़वाने का फैसला लिया है, जिनका मुकाबला भाजपा के दिनेश यादव निरहुआ और सपा के धर्मेंद्र यादव से होगा।

बसपा के राष्ट्रीय महासचिव मेवालाल गौतम की ओर से जारी सूची के मुताबिक घोसी सीट से पूर्व सांसद बालकृष्ण चौहान को प्रत्याशी बनाया गया है। इसके अलावा एटा से मोहम्मद इरफान एडवोकेट, धौरहरा से श्याम किशोर अवस्थी, फैजाबाद से सच्चिदानंद पांडेय, बस्ती से दयाशंकर मिश्रा, गोरखपुर से जावेद सिमनानी, चंदौली से सत्येंद्र कुमार मौर्य और रॉबर्ट्सगंज से धनेश्वर गौतम एडवोकेट को टिकट दिया गया है।

बता दें कि बसपा ने अब तक 45 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है जिसमें 11 मुस्लिम हैं। वहीं नौ ब्राहमण, तीन ओबीसी और एक दलित उम्मीदवार को टिकट दिया है।

चुनाव डियूटी में लगे कर्मचारियों को सुविधा देने की मांग, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के एक प्रतिनिधि मण्डल ने शुक्रवार को कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राम अधार पाल के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव कार्य में लगाये जाने वाले कर्मचारियों के समस्याओं के निस्तारण हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

सौंपे ज्ञापन में मण्डी समिति से मतदान टोली के प्रस्थान के समय कर्मचारियों के मोटर साईकिलों की सुरक्षा हेतु स्टैण्ड बनाये जाने, निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारियों को उनके मानदेय का भुगतान नकद कराये जाने, मतदान में महिला कर्मियों की भी डियूटी लगायी जा रही है ऐसी स्थिति में वाहन के रूप में ट्रकों के स्थान पर बस की व्यवस्था करने, मतदान के बाद मण्डी समिति में ई.वी.एम. जमा करने के बाद मतदान कर्मियों को जनपद, तहसील एवं ब्लाक मुख्यालयों पर भेजने हेतु वाहन की व्यवस्था कराये जाने, प्रशिक्षण स्थल पर उपस्थित, अनुपस्थित की सूचना बनाने वाले, ई.वी.एम. को लाने, ले जाने, एफ.एल.सी. कराने वाले, स्टेशनरी किट तैयार व वितरण कार्य में लगे कर्मचारियों, उड़दस्ता, आरक्षित कर्मियों आदि कार्य में लगे कर्मचारियों को मानदेय भुगतान कराये जाने, कैंसर, किडनी, किसी दुर्घटनाग्रस्त अस्थायी रूप से विकलांग कर्मचारियों, पांच माह से अधिक गर्भवती महिलाओं एवं सरकारी सेवा में पति पत्नी में से किसी एक को अवमुक्त रखे जाने, मतदान तिथि को पड़ने वाले वैवाहिक कार्यक्रम के लिये सम्बंधित कर्मचारियों को चुनाव डियूटी से मुक्त किये जाने, कर्मचारियों के मतदान की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने, सुरक्षा, चिकित्सा व्यवस्था दिलाने, ई.वी.एम. मशीन जमा कराने वाले एवं मतगणना कार्य में लगे कार्मिकों को नाश्ता, लंच की व्यवस्था देने, मतदान के दिन मतदान स्थल पर टोली के भोजन की व्यवस्था हेतु कर्मियों के निजी व्यय पर परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोईयों से भोजन बनाने का दिशा निर्देश दिये जाने, प्रशिक्षण एवं मतदान स्थल पर पेयजल, शौचालय, बिजली उपलब्ध कराये जाने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधि मण्डल में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला मंत्री तौलू प्रसाद, कोषागार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अखिलेश पाठक, कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ महामंत्री फैजान अहमद, विकास भवन कर्मचारी संघ के महामंत्री ओम प्रकाश आदि शामिल रहे।

शिक्षकों, बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विकासखण्ड के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय उभाई के बच्चों ने शुक्रवार को स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। जागरूकता रैली के द्वारा बच्चों और शिक्षकों ने गांव के सभी पुरवे पर घर–घर जाकर अभिभावकों को सभी बच्चों का स्कूल में प्रवेश कराने और अनिवार्य रूप से प्रतिदिन स्कूल भेजने हेतु जागरूक किया। रैली के दौरान बच्चे अपने हाथों में शिक्षा प्रेरक नारे लिखी तख्तियां लेकर चल रहे थे। बच्चे मांगे प्यार दो, शिक्षा का अधिकार दो। एक भी बच्चा छूटा, संकल्प हमारा टूटा। अनपढ़ होना है अभिशाप, अब न रहेंगे अंगूठा छाप। पापा सुन लो विनय हमारी, पढ़ने की है उम्र हमारी। पढ़ेंगे पढ़ाएंगे, उन्नत देश बनाएंगे। अब ना करो अज्ञानता की भूल, हर बच्चे को भेजो स्कूल आदि शिक्षा प्रेरक नारों से पूरा

गांव गुंजायमान हो उठा। प्रधानाध्यापक विद्यासागर वर्मा और वरिष्ठ शिक्षक संकुल प्रमोद त्रिपाठी और अन्य शिक्षकों के द्वारा अभिभावकों को परिषदीय विद्यालय के शिक्षा के अच्छे माहौल और बच्चों को मिलने वाली निःशुल्क सरकारी सुविधाओं से परिचित कराकर अधिक से अधिक नामांकन का आह्वान किया गया।

जागरूकता रैली में देवेंद्र कुमार शुक्ल, शिक्षक संकुल रवीश कुमार मिश्र, साकेत मिश्र, मेराज अहमद, प्रदीप कुमार शुक्ल, विमलेंद्र, मधुलिका द्विवेदी, सरिता सहित बड़ी संख्या में बच्चे शामिल रहे।

मनरेगा के नाम पर बंदरबांट का खेल.!

–कुलदीप चौधरी–

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजगार देने के लिए सरकार द्वारा मनरेगा योजना को लागू किया गया जिसके जरिये ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन यापन करने वाले लोगों को सौ दिन का रोजगार देने के लिए कानून भी बनाया गया लेकिन जमीन पर फैले भ्रष्टाचार की वजह से गांव के लोगों को मनरेगा योजना के जरिये रोजगार मिलना मुश्किल हो गया है।

ताजा मामला जनपद के रुधौली विकासखंड के ग्राम पंचायत आमबारी की है जहां पर ग्राम पंचायत में पोखरा खुदाई के नाम पर 148 मजदूरों की हाजिरी भरी गई लेकिन जब संवाददाता ने मौके पर जाकर योजना द्वारा चल रहे कार्य की पड़ताल किया तो वहां पर एक भी मजदूर नही मिले । गांव के एक आदमी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस गांव के प्रधान विश्वनाथ हैं लेकिन सर्वेश नाम का व्यक्ति ग्राम पंचायत के बागडोर को अपने हाथ में लिया हुआ है और उसी व्यक्ति द्वारा सभी प्रकार के कार्यों को कराया जाता है। गांव के तालाब पर चल रहे कार्य के बारे में जब पूछा गया तो उन्होंने बताया कि गांव के उत्तर तरफ स्थिति पोखरे पर कुछ दिन पहले करीब आधा दर्जन लोगों ने काम किया था लेकिन आज किसी प्रकार के कोई मजदूर पोखरे पर काम नही कर रहे हैं। इसी तरह ग्राम पंचायत आमबारी में लगातर फर्जी मस्टोरल भरकर बिना मजदूरों के ही हाजिरी भरी जा रही है ताकि मनरेगा के धन का बंदरबांट किया जा सके ।

इस संबंध में खंड विकास अधिकारी विनय कुमार द्विवेदी से बात हुई तो उन्होंने कहा कि इस तरह से फर्जी कारनामा करने वाले कार्यों को देखा जाएगा और उसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन भरी गई सभी हाजिरियों को शून्य किया जाएगा ।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 अप्रैल 2024 शनिवार

सम्पादकीय

ग्लोबल वार्मिंग पर चुप्पी

यह जानते हुए भी कि प्रकृति के साथ इंसानी क्रूरता से उपजे ग्लोबल वार्मिंग संकट ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है, हमारी सरकारें इस गंभीर चुनौती के मुकाबले को लेकर उदासीन नजर आती हैं। आज दुनिया में हर साल करोड़ों लोगों को अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखे, बाढ़ व चक्रवातों की वजह से विस्थापन का दंश झेलना पड़ रहा है। वैश्विक स्तर पर खेतों में खाद्यान्न उत्पादकता में कमी आई है। साथ ही लाखों लोगों को अपने जीवन से हर साल हाथ धोना पड़ता है। लेकिन विकसित देशों द्वारा जलवायु परिवर्तन पर बड़े सम्मेलनों के आयोजन के अलावा इस संकट से निपटने के लिये युद्धस्तर पर कोई कोशिश होती नजर नहीं आती। सिर्फ जुबानी जमाखर्च के अलावा कोई ठोस पहल विकसित व विकासशील देशों के स्तर पर अब तक नहीं हुई है। यही वजह है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभाव के प्रति सरकारी निष्क्रियता को चुनौती देने वाली स्विस वृद्ध महिलाओं द्वारा दायर याचिका पर यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला सरकारों की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऐतिहासिक आदेश इस बात पर बल देता है कि जलवायु परिवर्तन प्रभावों से सुरक्षा मांगना एक मौलिक मानव अधिकार है। निस्संदेह फैसला पूरे यूरोप के लिये एक नजीर होनी चाहिए। यह फैसला बताता है कि जलवायु संकट से निपटने की तत्काल जरूरत है। सरकारों को जलवायु अनुकूल नीतियों को लागू करने में दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी होगी। साथ ही सरकारों को जवाबदेह बनाने वाले सार्वजनिक दबाव व नागरिक सक्रियता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। निस्संदेह नागरिकों की जागरूकता को कमतर नहीं आंका जा सकता। जाहिर बात है कि यदि लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता व प्रत्याशा को जलवायु संकट बुरी तरह प्रभावित कर रहा हो तो सरकारें कैसे उदासीन बनी रह सकती हैं। तमाम अध्ययनों से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन से जहां हमारी खाद्य शृंखला खतरे में है, वहीं तमाम तरह के नये–नये घातक रोग सामने आ रहे हैं। जिनसे निपटने के लिये तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।

निश्चित रूप से यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला पूरे विश्व के लिये मार्गदर्शक साबित हो सकता है। हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसले में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जीवन रक्षा को हमारे संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों की श्रेणी में रखा था। कोर्ट ने माना था कि जलवायु परिवर्तन का असर सीधा जीवन के अधिकार पर पड़ता है। अदालत ने एक फैसले में कहा था कि जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों से बचने के लिये नागरिकों के अधिकारों की दृष्टि से स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला यूरोपीय व अमेरिकी देशों की जलवायु नीतियों को भी नया आकार प्रदान करने में सहायक होगा। यह फैसला जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकारों के अंतर्संबंध को प्रदर्शित करते हुए बताता है कि पर्यावरणीय संकट के कारण हाशिये पर आने वाले समुदायों को तत्काल संरक्षण प्रदान करने की जरूरत है। पर्यावरण के स्तर पर उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियां समाज में हाशिये पर रहने वाले समाजों को असंगत रूप से प्रभावित करती हैं। साथ ही सामाजिक असमानता को बढ़ाती हैं। भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में जनजातियों के सामने भोजन व पानी का संकट पैदा हो रहा है। इन उपेक्षित समुदायों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। निश्चित रूप से नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन से जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में खासी मदद मिल सकती है। वैकल्पिक ऊर्जा का प्रयोग न केवल जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करता है बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिये स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करके सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देता है। निश्चित रूप जलवायु परिवर्तन प्रभावों पर अदालत का फैसला एक आदर्श बदलाव का संकेत भी है। जो जलवायु बदलावों के प्रभावों से निपटने तथा भविष्य की पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा के लिये सरकारों को जवाबदेह बनाता है।

बदलते सन्दर्भो में राजनीतिक परिदृश्य

–जूलियो रिबैरो–

भारतीय पुलिस सेवा के महाराष्ट्र कैडर के सदानंद दाते आसानी से सबसे प्रतिभाशाली आई.पी.एस. रत्नों में से एक हैं। उन्होंने बहुत कठिन समय में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में कार्य किया है जब सत्ता में पार्टी के प्रति वफादारी को संविधान और कानून के प्रति वफादारी पर प्राथमिकता दी जाती है। मेरी पीढ़ी के अधिकारियों को ऐसा करने के लिए नहीं कहा गया था। वह जिस समुदाय से हैं वह सत्य और न्याय के पालन, अपनी मूल्य प्रणाली, सादा जीवन लेकिन उच्च विचार के लिए जाना जाता था। सदानंद उन सभी विशेषताओं को अपने व्यक्तित्व में समेटे हुए हैं। उन्होंने एक बच्चे के रूप में गरीबी पर काबू पाया और भारतीय पुलिस सेवा के प्रतिष्ठित पोर्टल में प्रवेश के लिए संघ लोक सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की।

मुंबई के निवासी वास्तव में धन्य होते यदि सार्वभौमिक रूप से प्रशंसित इस व्यक्ति को महानगर का पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया होता। लेकिन जानकार लोगों ने इसे खारिज कर दिया क्योंकि सदानंद अनियमित अनुरोधों पर 'हां' कहने में असमर्थ थे। इसलिए, यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था जब यह घोषणा की गई कि उन्हें एन.आई.ए. (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) के महानिदेशक के रूप में पंजाब कैडर के दिनकर गुप्ता का स्थान लेना है। हाल ही में मैंने ऑनलाइन लेख पढ़ा, जिसका शीर्षक था 'द बैकरूम मिसचीफ मेकर्स'। मैथ्यू जॉन, जो कि पूर्व आई.ए.एस. थे, ने नौकरशाही, विशेष रूप से आई.पी.एस.और आई.आर.एस. की की है। केंद्रीय जांच एजेंसियों को 'राजनीतिक कार्यपालिका की पाशविक शक्ति' के सामने 'झुकने को कहा जाए तो वह रेंगने को तैयार हो जाती है। ई.डी., और आई.आर.एस. एजेंसी का उल्लेख किया गया था, लेकिन दो आई.पी.एस.नेतृत्व वाली एजेंसियां, सी.बी.आई. और एन.आई.ए. का भी उल्लेख किया गया था। महाराष्ट्र के एक और उत्कृष्ट अधिकारी आई.पी.एस. कैडर के सुबोध जयसवाल को सी.बी.आई. का प्रमुख चुना गया। 3 या 4 साल पहले अपने कार्यकाल के दौरान वह ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहे। उन्हें न तो सेवा विस्तार मिला और न ही सेवानिवृत्ति के बाद कोई अवकाश, यह उनकी ईमानदारी के लिए एक श्रद्धांजलि है। यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि जो लोग मर्यादा में रहते हैं उन्हें भरपूर पुरस्कार मिलता है। जाहिर है, सुबोध ने किसी की भी मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया।

मुझे पूरा यकीन है कि सदानंद दाते एन.आई.ए. पर दबाव असहनीय होने पर भी किसी भी प्रकार के अन्याय में शामिल नहीं होंगे। वह एक ऐसा व्यक्ति है जिन्होंने उन पर किए गए भरोसे को स्वीकार करने से पहले ही अपनी शर्तें बता दी होंगी। यदि सदानंद ने ऐसा किया है, जिसे जानकर मुझे पूरा यकीन है कि उसने ऐसा किया है, तो एन.आई.ए. एक ऐसी एजेंसी है जिसे मैथ्यू जॉन जैसे लोगों को अपनी केंद्रीय एजेंसियों की सूची से हटाना होगा जो एक दबंग राजनीतिक कार्यकारी के सहायक बन गए हैं। मैथ्यू जॉन ने ई.डी., सी.बी.आई. और एन.आई.ए. को 'बैक रूम मिसचीफ मेकर्स' के रूप में वर्गीकृत किया है।

दरअसल, ये एजेंसियां अनिवार्य रूप से उन राजनेताओं का दृश्यमान 'मोर्चा' हैं जो चाहते हैं कि 'विपक्षी रैंकों से भ्रष्टाचार को समाप्त किया जाए'। इससे भी अधिक प्रासंगिक बात यह है कि लोकसभा चुनाव होने से ठीक पहले इन 'भ्रष्ट' विपक्षी नेताओं को इसी रूप में सामने लाया जाना चाहिए और जेल में डाल दिया जाना चाहिए। केवल उन लोगों के पाप धुलते हैं जो चुनाव से पहले सत्तारूढ़ दल में शामिल हो जाते हैं। संयोग से, मैथ्यू जॉन मुझे माफ कर देंगे अगर मैं बताऊं कि 'बैकरूम' सहयोगियों में से कई वर्तमान में उनकी पुरानी सेवा के सदस्य हैं! दूसरे, मैथ्यू को यह ध्यान में रखना चाहिए कि प्रमुख सिविल सेवाओं में हमारे उत्तराधिकारी हमसे कहीं अधिक कठिन और खतरनाक समय में काम कर रहे हैं। जब नेक इरादे वाले नागरिक मेरी सराहना करते हैं और चाहते हैं कि मैं शहर के प्रभारी पुलिसकर्मी के रूप में 'वापस आऊं' तो मैं तुरंत स्वीकार करता हूं कि मैं वर्तमान व्यवस्था को संभाल नहीं पाऊंगा। बहुत से लोग 50 के करीब पहुंचने पर या उस सीमा को पार करने पर इसे छोडने की स्थिति में नहीं होते हैं। सदानंद दाते जैसी क्षमता वाले अधिकारी को 3 साल पहले पुणे या ठाणे या नागपुर का पुलिस आयुक्त नियुक्त किया जाना चाहिए था। उन शहरों के लोगों और वहां व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिसकर्मियों को उनकी ईमानदारी और उनकी योग्यता से लाभ हुआ होगा। लेकिन सत्ता में बैठे लोग ऐसे अधिकारियों के साथ सहज नहीं हैं और यह सच्चाई है।

समाचार पत्रों का कहना है कि पहली बार मतदान करने वाले अधिकांश मतदाताओं ने उस कर्त्तव्य के लिए खुद को पंजीकृत कराने की परवाह नहीं की है। क्या यह आश्चर्य की बात है? अगर आप उनसे राहुल गांधी का नाम लेते हैं तो जोरदार ठहाके लगते हैं और मंदिर के उद्घाटन के लिए अयोध्या में नरेंद्र मोदी की अतिथि उपस्थिति और द्वारका के बाहर समुद्र में डुबकी लगाने के बाद, हालांकि इतनी जोर से ठहाके नहीं, लेकिन हंसी जरूर सुनाई दे रही है। लोकतंत्र की जननी की कार्यप्रणाली से छात्र स्पष्ट रूप से निराश हैं।

जे.पी.नड्डा के कार्यालय में 'भ्रष्ट' विपक्षी नेताओं का आना एक दैनिक दिनचर्या बन गया है। उनके रैंकों में प्रवेश या यहां तक कि पार्टी के वरिष्ठ पदों पर सीधी भर्ती ने हमारे युवाओं का मोहभंग कर दिया है। वे बेहतर रोजगार की संभावनाओं की तलाश में हैं बजाय विपक्षी राजनेताओं के फिर से रोजगार पाने के लिए जो अमीर चारागाहों की तलाश कर रहे हैं या कानून के जाल से बचने की कोशिश कर रहे हैं। एक और चौंकाने वाली जानकारी जो मुझे हर सुबह अखबारों को स्कैन करने से मिली, वह यह है कि 68 प्रतिशत सैनिक स्कूल अब सार्वजनिक–निजी भागीदारी योजना के तहत संघ परिवार या उसके सहयोगियों द्वारा चलाए जाएंगे। इन सैनिक स्कूलों की स्थापना मुख्य रूप से जूनियर कमीशन या गैर–कमीशन रैंक के बच्चों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए तैयार करने के लिए की गई थी।

इतनी कम उम्र में इन प्रभावशाली दिमागों में एक राजनीतिक विचारधारा डालना निश्चित रूप से विनाश का नुस्खा है। पाकिस्तान के जनरल जिया–उल–हक, जिन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने देश पर 10 वर्षों तक शासन किया, ने पाकिस्तान के लोकतंत्र में अपने योगदान के रूप में सशस्त्र बलों का इस्लामीकरण किया था। उसके कृत्य के परिणाम सचमुच विनाशकारी थे। ब्रिटिश औपनिवेशिक परंपरा में प्रशिक्षित लोगों का एक अच्छा, अनुशासित समूह धार्मिक कट्टरपंथियों की ताकत में तबदील हो गया। पाकिस्तान धीरे–धीरे एक असफल राष्ट्र की स्थिति में पहुंच गया।

कुछ संबंधित सेवा अधिकारी, जो लंबे समय से सेवानिवृत्त हैं, ने सार्वजनिक रूप से अपना डर व्यक्त किया है। क्या उनकी आवाज सुनी जाएगी? राजनीतिक पिरामिड के शीर्ष पर धार्मिक उन्माद की वर्तमान स्थिति में मुझे गंभीरता से संदेह है कि क्या कोई सुनने को तैयार है। लेकिन आशा की एक किरण है। यदि अमित शाह सदानंद दाते जैसे निष्पक्ष सोच वाले अधिकारी को अपने मंत्रालय को रिपोर्ट करने वाली एक महत्वपूर्ण एजेंसी का प्रमुख नियुक्त कर सकते हैं तो हम हृदय परिवर्तन और तर्कसंगत सोच की उम्मीद क्यों नहीं कर सकते?

खिलौनों के क्षेत्र में भारत की दस्तक

–जयंतीलाल भंडारी–

हाल ही में केंद्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014–15 से वित्त वर्ष 2022–23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। वहीं दूसरी ओर आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। निःसंदेह इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग नई ऊंचाई पर है। स्थिति यह है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान ने खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है। गौरतलब है कि चीन से खिलौनों की खरीदारी करने वाले कई खरीदार अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया में कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीदारी होती थी। लेकिन मेक इन इंडिया के कारण कई बड़ी–बड़ी खिलौना कंपनियों ने भारत में खासतौर से दिल्ली में अपना आधार तैयार किया है, जो आज अंतर्राष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। इस समय हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे खिलौनों के वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए भारत पर अधिक निर्भर हैं। साथ ही खिलौनों के लिए विश्व प्रसिद्ध इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास आदि खिलौनों के लिए अपना ध्यान धीरे–धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रही हैं।

अब वह समय बीत गया है कि जब पांच–छह वर्ष पहले तक भारत खिलौनों के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आयात किए जाते थे। साथ ही लगातार विभिन्न सर्वेक्षणों में कहा जा रहा था कि चीन से आयातित दो–तिहाई खिलौने असुरक्षित थे। चीनी खिलौने में सीसा, कैडमियम और बेरियम के असुरक्षित तत्व पाए गए थे। अब भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस समय देश और दुनिया में भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता रेखांकित हो रही है, जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। इस समय चारों ओर भारत के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात पांच–छह वर्षों में तेजी से बढ़कर 2600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है। लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग छलांगें लगाकर बढ़ते हुए इसी वर्ष 2024 में 3 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है।

यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश और दुनिया में भारतीय खिलौना बाजार को ऊंचाई मिलने के कई कारण हैं। इसमें कोई मत नहीं है कि 'मन की बात' के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार–बार देश के लोगों को स्वदेशी भारतीय खिलौनों को खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग को सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की। खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन–प्लस–वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। बीआईएस मानक चिन्ह वाले खिलौनों के निर्माण के लिए बीआईएस ने घरेलू निर्माताओं को 1200 से अधिक लाइसेंस और विदेशी निर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान किए हैं।

सरकार के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग के लिए अधिक अनुकूल विनिर्माण परितंत्र बनाने में मदद मिली है। 2014 से 2020 तक 6 वर्षों की अवधि में सरकार के समर्पित प्रयासों से विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी हो गई है, आयातित वस्तुओं पर निर्भरता 33 प्रतिशत से घटकर 12 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में एमएसएमई मंत्रालय 19 खिलौना उत्पादन केंद्रों की मदद कर रहा है, और वस्त्र मंत्रालय 13 खिलौना उत्पादन केंद्रों को खिलौनों का डिजाइनिंग तैयार करने और जरूरी साधन मुहैया कराने में मदद कर रहा है। स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रचार पहल भी की गई हैं, जिनमें द इंडियन टॉय फेयर 2021, टॉयकैथॉन आदि शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने घटिया स्तर के खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण अनिवार्य कर दिया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014–15 के बाद से लगातार वर्ष 2024–25 के अंतरिम बजट तक में सरकार ने खिलौना उद्योग के विकास के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन और समर्थन देने की रणनीतिक पहल की है। सरकार ने खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टर में स्थान दिया है।

भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में बड़ी भूमिका निभाने हेतु खिलौना उद्यमियों को प्रेरित किया गया है। निश्चित रूप से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत सरकार की नीतिगत पहलों के साथ–साथ घरेलू निर्माताओं के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यद्यपि देश का खिलौना उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है लेकिन अभी भी देश के खिलौना सेक्टर को चमकीली ऊंचाई देने के लिए खिलौना क्षेत्र के तहत एक लम्बे समय से चल आ रही कई बाधाओं को हटाया जाना जरूरी है। भारतीय खिलौना उद्योग में विकास को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कार्ययोजना की जरूरत है। खिलौना उद्योग के विकास से संबंधित विभिन्न एजेंसियों के बीच उपयुक्त तालमेल बनाया जाना जरूरी है।

देश में चीन की तरह खिलौने के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) को आकार देने की जरूरत है। अभी खिलौनों पर जीएसटी की दर में कटौती की जानी चाहिए। जिससे खिलौनों की कीमत में और कमी आएगी। अधिकांश भारतीय खिलौने ई–कॉमर्स वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाने चाहिए, ताकि घरेलू खिलौनों की बिक्री को और बढ़ाया सके। यह भी जरूरी है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित की गई पारंपरिक और यांत्रिक खिलौनों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शीघ्र शुरू की जाए। देश में सुगठित खिलौना प्रशिक्षण और डिजाइन संस्थान की स्थापना को मूर्तरूप देना होगा। इसके अलावा खिलौना उद्योग के लिए बैंकों से ऋण तथा वित्तीय सहायता संबंधी बाधाओं को दूर करना होगा। खिलौनों के अधिक निर्यात से अधिक विदेशी मुद्रा की कमाई की जा सकेगी। साथ ही खिलौना उद्योग में रोजगार के मौके देश के कोने–कोने में और तेजी से बढ़ेंगे।–लेखक अर्थशास्त्री हैं।

शाकाहार–क्रांति समय की मांग

–ललित गर्ग–

बढ़ती बीमारियां के कारण जीवन की कम होती सांसों ने इंसान को शाकाहारी बनने के लिये विवश किया है, सत्य भी यही है कि शाकाहार एक उन्नत जीवनशैली है, निरापद खानपान है। न केवल बुद्धिजीवी बल्कि आम व्यक्ति भी अब शाकाहारी जीवन प्रणाली को अधिक आधुनिक, प्रगतिशील और वैज्ञानिक मानने लगे हैं एवं अपने आपको शाकाहारी कहने में प्रगतिशील व्यक्ति होने का गर्व महसूस करते हैं। शाकाहार को बल एवं प्रोत्साहन देने के लिये ही विश्व शाकाहार दिवस, प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह 1977 में उत्तरी अमेरिकी शाकाहारी समाज का स्थापना दिवस है और 1978 में अंतर्राष्ट्रीय शाकाहारी संघ द्वारा 'शाकाहार से खुशी, करुणा और जीवन–वृद्धि की संभावनाओं को बढ़ावा देने' के लिये इसका समर्थन किया था, यह शाकाहारी जीवन शैली के नैतिक, पर्यावरणीय, स्वास्थ्य और मानवीय लाभों के बारे में जागरूकता लाता है। यह दिन जानवरों के जीवन को बचाने, प्रकृति–पर्यावरण को संरक्षित करने और मनुष्य को स्वस्थ करने में मदद करने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए भी मनाया जाता है। पशुधन उत्पादन में शामिल क्रूरता के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी एक अवसर है।

इंसान के खुशहाल जीवन एवं निरोगता के लिये खानपान में बदलाव के स्वर दुनियाभर में सुनाई दे रहे हैं। मांसाहार को छोड़ने वालों की संख्या भारत ही नहीं दुनिया में बढ़ती जा रही हैं। ग्लोबल रिसर्च कंपनी इप्सोस के हाल ही में कराये गये एक सर्वेक्षण के अनुसार अब 63 प्रतिशत भारतीय अपने भोजन में मांसाहार के स्थान पर शाकाहार को अपना रहे हैं। एक अन्य समाचार के अनुसार अमरीका में डेढ़ करोड़ व्यक्ति शाकाहारी हैं। सुप्रसिद्ध गैलप मतगणना के अनुसार इंग्लैंड में प्रति सप्ताह तीन हजार व्यक्ति शाकाहारी बन रहे हैं। वहाँ अब पच्चीस लाख से अधिक व्यक्ति शाकाहारी हैं।

महात्मा गांधी कहते थे कि स्वाद पदार्थ में नहीं, अपितु मनुष्य की अपनी जिव्हा में होता है। नीम की चटनी से जीभ के स्वाद पर नियंत्रण कर लेने वाले गांधी के देश में आज मांसाहार का विरोध तो दूर, उल्टे कुछ क्षेत्रों में मांसाहार को बल दिया जाना, चिन्तनीय है, अहिंसा के उपासक देश के लिए लज्जास्पद भी। लेकिन यह शुभ संवाद है कि अब भारत में शाकाहार को बल देने की शुरूआत हुई है, जिसको जन–जन की जीवनशैली बनाना अहिंसा के पक्षधर प्रत्येक प्रबुद्ध नागरिक का नैतिक दायित्व है तथा मुख सुख के लिए निरीह प्राणियों और अजन्मे अंकुरों की निर्मम हत्या के विरुद्ध जनमानस तैयार करना सबका प्रथम कर्तव्य है।

भारत में शाकाहार को बल देने के प्रयत्न होते रहे हैं, न केवल भारत बल्कि संसार के महान बुद्धिजीवी, उदाहरणार्थ अरस्तू, प्लेटो, लियोनार्दो दविंची, शेक्सपीयर, डारविन, पी. एच. हक्सले, इमर्सन, आइन्सटीन, जार्ज बर्नार्ड शा, एच.जी.वेल्स, सर जूलियन हक्सले, लियो टॉलस्टॉय, शैली, रूसो आदि सभी शाकाहारी ही थे। मनुष्य की संरचना की दृष्टि से भी हम देखेंगे कि शाकाहारी भोजन हमारा स्वाभाविक भोजन है। अमरीका के विश्व विख्यात पोषण विशेषज्ञ डॉ.माइकेल क्लेपर का कहना है कि अंडे का पीला भाग विश्व में कोलस्ट्रोल एवं जमी चिकनाई का सबसे बड़ा स्रोत है जो स्वास्थ्य के लिए घातक है। इसके अलावा जानवरों के भी कुछ उदाहरण लेकर हम इस बात को साबित कर सकते हैं कि शाकाहारी भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है। इस प्रकार शाकाहारी भोजन स्वास्थ्यप्रद एवं पोषण प्रदान करनेवाला है।

आज विश्व में सबसे बड़ी समस्या है, विश्व शांति की और बढ़ती हुई हिंसा को रोकने की। चारों ओर हिंसा एवं आतंकवाद के बादल उमड़ रहे हैं। उन्हें यदि रोका जा सकता हैं तो केवल मनुष्य के स्वभाव को अहिंसा और शाकाहार की ओर प्रवृत्त करने से ही। महाभारत से लेकर गौतम बुद्ध, ईसा मसीह, भगवान महावीर, गुरुनानक एवं महात्मा गांधी तक सभी संतों एवं मनीषियों ने अहिंसा पर विशेष जोर दिया है। भारतीय संविधान की धारा 51 ए (जी) के अंतर्गत भी हमारा यह कर्तव्य है कि हम सभी जीवों पर दया करें और इस बात को याद रखें कि हम किसी को जीवन प्रदान नहीं कर सकते तो उसका जीवन लेने का भी हमें कोई हक नहीं हैं।

लड़कियों पर तेजाब फेंकने वालों को पुलिस ने एनकाउंटर में किया घायल, दोनों गंभीर

संवाददाता—देवरिया। गौरीबाजार युवतीयों पर ऐसिड अटैक करने के दोनों आरोपियों दारा सिंह (45) और शेखर (38) से बृहस्पतिवार की रात गौरीबाजार पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस पर फायरिंग कर रहे बदमाशों पर जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें दोनों के पैर पर गोली लग गई है। दोनों को गिरफ्तार कर पुलिस कस्टडी में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, एक तरफा प्यार में दारा सिंह ने अपने साथी के साथ बृहस्पतिवार को दो युवतियों पर एसिड अटैक कर दिया था। इसके बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। बृहस्पतिवार की रात गौरीबाजार थानेदार दिनेश मिश्रा को बदमाशों के फरार होने की जानकारी मिली। पुलिस ने घेराबंदी की तो घिरता देखकर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी, जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से दोनों घायल हो गए। जिले के गौरीबाजार में बाइक सवार दो युवकों ने बृहस्पतिवार को सरेराह दो युवतियों पर ज्वलनशील पदार्थ फेंक दिया। घायल दोनों युवतियों को कस्बे के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां से गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने तीन टीमें गठित की है। मामले में दो अज्ञात पर केस दर्ज किया गया है। गौरीबाजार क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली हमउम्र दो युवतियां कस्बे में जाने के लिए साथ ही घर से निकलीं। अभी वह गौरीबाजार– हाटा रोड पर स्थित देवगांव मोड़ के पास पहुंची थीं कि एक बाइक पर सवार दो युवक उनके आगे आ गए। अभी वो कुछ समझ पातीं युवकों ने उन पर ज्वलनशील पदार्थ फेंक दिया। इससे एक युवती के चेहरे का दाहिना हिस्सा व गर्दन झुलस गया। जबकि दूसरी के हाथ पर ज्वलनशील पदार्थ के छींटे। घटना की जानकारी होने पर एसपी संकल्प शर्मा व रुद्रपुर के क्षेत्राधिकारी अंशुमान श्रीवास्तव फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। एसपी ने दोनों युवकों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दीं। टीम जगह—जगह छापेमारी कर रही हैं। एसपी ने दोनों आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने का दावा किया है।

बाइक चोरी के आरोप में दो युवकों को बिजली पोल से बांधा, पुलिस ने छुड़ाया

संवाददाता—महराजगंज। कोल्हुई थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जंगल गुलरिहा टोला मोती सगरा में बाइक चोरी के आरोप में ग्रामीणों ने दो युवकों को पकड़कर बिजली के पोल से बांध दिया। ग्रामीण फरार तीसरे साथी को बुलाने की मांग करने लगे। सूचना पर कोल्हुई पुलिस ने दोनों को छुड़ाया और अपने साथ लेकर चली गई। आरोपितों को बिजली पोल से बांधने का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। घटना मंगलवार रात की है। कोल्हुई क्षेत्र के जंगल गुलरिहा के टोला मोतीसगरा निवासी भोला चौहान के दरवाजे पर तीन आरोपित युवक पहुंचे। रात करीब दस बजे खड़ी बाइक लेकर भागने लगे। उसी दौरान परिजनों की नींद टूट गई। बाइक को गायब देख शोर मचाया। शोर सुन ग्रामीण आरोपित युवकों का पीछा करना शुरू किए। दो युवकों को पकड़ लिया। बाइक बरामद कर ली। तीसरा युवक फरार हो गया। चोरी के आरोप में पकड़े गए दोनों युवकों को बिजली पोल से बांध दिया। पूछताछ करने लगे। बाइक लेकर भागे तीसरे युवक को बुलाने की मांग करने लगे। महिलाएं भी एकत्र हो गईं। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों युवकों को छुड़ाकर थाने ले गई। कोल्हुई थाना के प्रभारी निरीक्षक आनंद गुप्ता ने बताया कि मामला संज्ञान में है। सभी युवक शराब के नशे में धुत थे। शराब पीने गए थे। ग्रामीणों ने बाइक चोरी का आरोप लगाकर बांध दिया था। तीसरा आरोपित मौतनवा थानाक्षेत्र के रामनगर का निवासी है। तीनों आरोपितों के खिलाफ शांतिभंग की आशंका में केस दर्ज कर न्यायालय चालान किया गया है।

शार्ट सर्किट से झोपड़ी में लगी आग, एक व्यक्ति की झुलस कर मौत

संवाददाता—देवरिया। गुरुवार की आधी रात बिजली के शार्ट सर्किट से झोपड़ी में आग लग गई। इस दौरान झोपड़ी में बंधी बकरी और बछिया को बचाने गया मजदूर आग की चपेट में आ गया। जलती हुई झोपड़ी ऊपर गिर जाने से बकरी, बछिया और मजदूर की मौत हो गई।

रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के मझरटिया गांव निवासी रंजीत प्रजापति (35) पुत्र रामनक्षत्र प्रजापति पोलदारी का काम करता थे। परिजनों ने घर पर बकरी और गाय पाल रखा था। गुरुवार की रात भोजन करने के बाद वह दूसरे के घर जाकर सो गया। घर के आगे बनी झोपड़ी में आधा दर्जन बकरियां और बछिया बंधी थी। देर रात घर में लगा बिजली के केबल में शार्ट सर्किट से फाल्ट हो गया। इससे निकली चिंगारी से झोपड़ी में आग लग गई। रंजीत की पत्नी पूनम ने उसे जगाया और हादसे की जानकारी दी। वह हड़बड़ा कर बछिया और बकरी को बाहर निकालने के लिए झोपड़ी में घुस गया। आग की लपटें तेज होने से झोपड़ी जलकर उसके ऊपर ही गिर गई। हादसे में आधा दर्जन बकरियां, बछिया और रंजीत पूरी तरह झुलस गए। हादसे में बकरियां और बछिया की तत्काल झुलने से मौत हो गई, जबकि रंजीत ने भी अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया। जानकारी मिलते ही आधी रात को ग्राम प्रधान श्रीनिवास यादव समेत दर्जनों लोग रंजीत के घर पहुंच गए। पिता रामनक्षत्र, मां कमलावती, पत्नी पूनम, बेटा शिवम–लड्डू और पुत्री शिवानी का रो रो कर बुरा हाल है।

रंजीत बाहर रहकर पोलदारी का काम करता था। 2 दिन पहले ही वह घर आया था। उसे 15 अप्रैल को घर आना था, लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। रामनवमी पर्व के चलते वह चालू टिकट लेकर पहले ही घर आ गया। परिजन यही बातें कह कर दहाड़े मारकर रो रहे थे। पत्नी पूनम का कहना था कि अगर वह 15 अप्रैल को घर आए होते तो शायद उनकी जान नहीं जाती। रंजीत की छोटी बहन का विवाह 18 अप्रैल को तय है। वैवाहिक समारोह में भाग लेने के लिए ही वह 15 अप्रैल को घर आने वाला था, लेकिन रामनवमी पर्व के चलते वह जल्द आ गया। मौत की जानकारी मिलते ही परिजन दहाड़ मार कर रोने लगे। आसपास के लोग सांत्वना देने पहुंचे, लेकिन अनहोनी की बात सुनकर उनकी भी आंखें नम हो पड़ी। ग्रामीणों का कहना था कि बहन को डोली में विदा करने आया भाई खुद ही दुनिया से विदा हो गया।

अराजक तत्वों ने डॉ. आंबेडकर और बुद्ध की प्रतिमा तोड़ी

संवाददाता—महराजगंज। चौक थाना क्षेत्र के ग्राम सभा विजयपुर में डॉ. भीमराव आंबेडकर व महात्मा बुद्ध की प्रतिमा अराजक तत्वों द्वारा तोड़े जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही चौक थानाध्यक्ष प्रशांत पाठक मौके पर पहुंचे। क्षतिग्रस्त मूर्ति को सही कराया। जांच–पड़ताल शुरू कर दिया। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया है। शुक्रवार को डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाने के लिए कुछ ग्रामीण चंदा एकत्रित कर रहे थे। उसी दौरान ग्रामीण बौद्ध बिहार की तरफ गए। वहां डॉ. आंबेडकर व महात्मा बुद्ध की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त देख सूचना ग्राम प्रधान को दिया। ग्राम प्रधान ने थानाध्यक्ष प्रशांत पाठक, ग्राम विकास अधिकारी साकेत पटेल, लेखपाल अनुप्रिया को दिया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मयफोर्स मौके पर पहुंचे। स्थिति का जायजा लेते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों से अपील किया। थानाध्यक्ष प्रशांत पाठक ने बताया कि मूर्ति की क्षतिग्रस्त भाग को सही करा दिया गया है। गांव में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस तैनात कर दी गई है।

ग्राम सुरक्षा समिति देश की सुरक्षा व्यवस्था का है अहम हिस्सा-डीएम

संवाददाता—श्रावस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में सिरसिया के भरथा सधईपुरवा में ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक की गई। बैठक में बताया गया कि चुनाव के दौरान बाधा उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

बैठक में डीएम ने कहा कि ग्राम सुरक्षा समिति देश की सुरक्षा व्यवस्था का एक अहम हिस्सा है। प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी जाति या समुदाय का हो। उनके ऊपर सबसे पहले देश की जिम्मेदारी होती है। भारत–नेपाल देश के साथ खुली सीमा है, जहां से कोई भी आ जा सकता है। नेपाल के साथ हमारे देश के मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध है। इसलिए बार्डर पर दोनों देशों के नागरिकों को किसी भी प्रकार की रोक–टोक नहीं है। समस्या तब होती जब संदिग्ध व्यक्ति सीमा में प्रवेश करता है। इसलिए ग्राम सुरक्षा समितियों का दायित्व है कि हर गतिविधि पर नजर रखें और हर सूचना को प्रशासन एवं पुलिस तक तत्काल पहुंचायें। एसपी घनश्याम चौरसिया ने कहा कि पुलिस विभाग ने सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। निर्वाचन को प्रभावित करने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान उन्होंने ग्राम वासियों से शान्ति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अराजक तत्वों की सूचना देने की अपील की। एसएसबी कमाण्डेंट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी ने कहा कि शान्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने में ग्राम वासियों की अहम भूमिका है। ग्राम सुरक्षा समितियों के सदस्य आगामी लोकसभा निर्वाचन को देखते हुए सजग रहें। कोई भी गतिविधि होने पर तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें। जिससे सभी प्रकार की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा सके। इस मौके पर उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, सहायक कमाण्डेंट विश्व राजीव कुमार, उप कमांडेंट सोनू कुमार, क्षेत्राधिकारी भिनगा अतुल कुमार चौबे, खण्ड विकास अधिकारी सिरसिया रामबरन, निरीक्षक मान बहादुर गुरुंग, ग्राम प्रधान सदई पुरवा शफीक अहमद सहित एसएसबी के सुरक्षाकर्मी तथा ग्रामवासी मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में कमरे में मिला महिला का शव

संवाददाता—देवरिया। थाना क्षेत्र के धर्मखोर बाबू में शुक्रवार की सुबह एक महिला का शव संदिग्ध हालात में पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मायके वालों ने प्रताड़ना से मौत का आरोप ससुरालयों पर लगाया है।

धर्मखोर बाबू निवासी मनीष कुमार यादव की शादी कौलाडाबर निवासी मुन्ना यादव की बेटी रीतू यादव से दो साल पहले हुई थी। रीतू को चार माह पहले एक बेटा भी पैदा हुआ था। वह रोज की तरह गुरुवार की रात खाना खाने के बाद सोने चली गयी। सुबह संदिग्ध हालात में उसका शव कमरे में पाया गया है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी शिवप्रताप सिंह, थानेदार उदय शंकर कुशवाहा पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। जहां शव को कमरे से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया गया। मायके पक्ष का आरोप है कि परिवारजिन उसे प्रताड़ित करते थे।

शिव प्रताप सिंह, सीओ, ने कहा कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया है। पुलिस मामले के सभी बिन्दुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता लग पाएगा। प्रथम दृष्टया जांच चल रही है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

श्रद्धालुओं की सेवा के लिए अयोध्या में पारस डेरी ने खोला मिल्क बार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या सुपर मार्केट के रूप में डेवलप हो रही है प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु प्रभु श्री राम लाल के दर्शन के लिए अयोध्या आ रहे हैं और प्रतिदिन आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए नए–नए प्रतिष्ठान खुल रहे हैं इसी क्रम में लता मंगेशकर चौक अयोध्या में पारस डेयरी ने पारस मिल्क शॉप की ओपनिंग सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी के महंत धर्म सम्राट ज्ञान दास महाराज के शिष्य संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास और वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास ने फीता काटकर ओपनिंग की और कहां थी अयोध्या में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु आ रह हैं उनकी सेवा के लिए जितने भी साधन अयोध्या में हो रहे हैं वह सब काम है मैं राज्यसभा सांसद सरेंद्रनगर और उसके भाई जो पारस डेयरी बिजनेस को संचालित कर रहे हैं गजेंद्र नागर को आशीर्वाद प्रदान करता हूं कि उन्होंने अयोध्या में पारस की सेवा का विस्तार किया है इससे श्रद्धालुओं को बहुत ही सुविधा मिलेगी।

पारस डेरी के बिजनेस हेड गोविंद प्रसाद पारस के जितने भी प्रोडक्ट हैं सब में नंबर एक ही क्वालिटी है और अयोध्या मे प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव से श्रद्धालुओं की सेवा के लिए इस शाप की ओपनिंग हुई है जिसमें प्रतिदिन अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा होती रहेगी। इस अवसर पर पारस डेयरी के रिजनल सेल्स मैनेजर नवनीत सिंह,पंकज सिंह एरिया सेल्स मैनेजर, मनीत मेहरोत्रा एरिया सेल्स मैनेजर,दीपेंद्र सिंह एरिया सेल्स मैनेजर प्रकाश अग्रवाल सुपर स्टॉकिस्ट, अवधेश वर्मा लता मंगेशकर चौक पारस मिल्क बार, कन्हैया अग्रवाल डिस्ट्रीब्यूटर अयोध्या, हरिहर यादव एजेंसी होल्डर सहित सैकड़ों उपस्थित रहे।

कार्यशैली बदलें अफसर जिससे न हो टकराव -बार अध्यक्ष

संवाददाता—गोण्डा। पुलिस–प्रशासन अपनी कार्यशैली बदल लें जिससे बेजा टकराव न हो। तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार व दीवानी परिसर में फैली गंदगी को लेकर बार व बेंच में अवरोध न हो इसके लिए अपने कर्तव्यों के प्रति सजग हो जाएं। यदि कोई भी पुलिस अधिकारी, कर्मचारी वकीलों से बेअदबी से पेश आएगा तो आंदोलन होगा। ये बातें बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी व महामंत्री चंद्र मणि तिवारी ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कही। बार अध्यक्ष ने राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि राजस्व अदालतों पर अफसर बैठते नहीं और बैठते भी हैं तो उन्हीं पत्रावलियों की सुनवाई करते हैं जो पहले से चिन्हित कर के रख दी जाती हैं। यहां तक कि अविवादित पत्रावलियों का भी निस्तारण नहीं किया जाता।

दुर्लभ प्रजाति के रेड सैंड बोआ सांप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता—बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग में रेड सैंड बोआ सांप के साथ वन कर्मियों ने दो तस्कर को गिरफ्तार किया है। भ्रांति के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन दो मुंहा सांप की करोड़ों में कीमत होती है।

जिले के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग में वन कर्मियों ने रेड सैंड बोआ सांप के साथ बाइक सवार दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बाइक की डिग्गी से तलाशी के दौरान एक रेड सैंड बोआ सांप बरामद किया है। बताया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन सांपों की कीमत करोड़ों रुपये है। धन वृद्धि की भ्रांति के चलते लोग इन्हें खरीद कर पालते हैं। बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के जंगलों के आसपास वन कर्मियों की टीम गश्त पर निकली थी। इस दौरान जंगल की तरफ से दो बाइक सवार आते दिखे।

जिस पर वन कर्मियों की टीम ने बाइक को रोक कर तलाशी ली, तो डिक्की में दुर्लभ रेड सैंड बोआ (दो मुंहा) सांप बरामद हुआ। पूछताछ करने पर ये लोग सही जवाब नहीं दे पाए। जिस पर दोनों को रेंज कार्यालय लाया गया। डीएफओ ने बताया कि सांप को जंगल में छोड़ दिया गया है। पकड़े गए वन्य जीव तस्कर यासीन पुत्र रहमतुल्ला और फहीम खान लखीमपुर खीरी जिले के धौरहरा कोतवाली के गांव सिसैया के रहने वाले हैं। दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। इनके पास से बरामद बाइक और 270 रुपये नगदी को सीज कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पैसे के लालच में लोग रेड सैंड बोआ (दो मुंहा) सांप की बिक्री करते हैं। भ्रांति के चलते लोग इन्हें खरीदते हैं। जबकि ऐसा कुछ नहीं है।

बाइक सवार दो युवक घायल, रेफर

संवाददाता—गोण्डा। मांगलिक समारोह में करनैलगंज आए बाइक सवार दो युवक मार्ग दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। चिकित्सक ने घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। बृहस्पतिवार की रात गोंडा–लखनऊ मार्ग पर भूलियापुर मोड़ के पास ट्रक की चपेट में बाइक सवार अंकुल गुप्ता (21) व दिनेश कुमार (27) निवासी नंदवल थाना कैसरगंज जिला बहराइच गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां सीएचसी अधीक्षक डॉ अनुज कुमार ने दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक बाइक सवार दोनों लोग करनैलगंज के गांधी नगर में रिश्तेदारी में शादी का कार्ड देकर घर वापस लौट रहे थे।

अवैध ढंग से हड़पी गई साढ़े पांच करोड़ की जमीन सरकार के नाम दर्ज

संवाददाता—बलरामपुर। सपा के पूर्व विधायक आरिफ अनवर हाशमी की 5.5 करोड़ की बेशकीमती जमीन, जिसे कूट रचित ढंग से अपने नाम कराकर कब्जा कर लिया गया था, तीन माह पूर्व शिकायत मिलने पर डीएम ने मामले की जांच गोंडा व बलरामपुर जनपद से कराई। शिकायत सही मिलने पर डीएम ने पुनरू अवैध ढंग से कब्जा की गई जमीन को नवीन पर्ती के नाम दर्ज करने का आदेश दिया है। डीएम के आदेश पर भूमि को सरकारी जमीन के नाम दर्ज करा दिया गया है।

मामला उतरौला तहसील के ग्राम सादुल्लाह नगर का है। यहां पर स्थित नवीन पर्ती की भूमि गाटा संख्या–1433 को सपा के पूर्व विधायक आरिफ अनवर हाशमी ने वर्ष 1987 व 1990 में जब उतरौला तहसील गोंडा जनपद में शामिल था। उस समय चकबंदी न्यायालय में कूट रचना के सहारे जमीन अपने नाम करा ली गई थी। तीन माह पूर्व गोपनीय शिकायत मिलने पर डीएम अरविंद सिंह ने इस प्रकरण की जांच जनपद गोंडा व बलरामपुर से कराई। जांच में पता चला कि पूर्व सपा विधायक हाशमी ने चकबंदी न्यायालय में कूट रचित दस्तावेज के सहारे फर्जी शपथ पत्र व साक्ष्य के आधार पर नवीन पर्ती की भूमि गाटा संख्या–1433 रकबा 1.83 एकड़ अपने स्कूल किसान विद्यालय, सादुल्लाह नगर के नाम दर्ज कराकर खतौनी में अंकित करा लिया। जांच में पता चला कि पूर्व विधायक ने 1.83 एकड़ नवीन पर्ती की भूमि कूटरचित तरीके से अपने नाम करा लिया है। इस पर जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने पूर्व आदेश को निरस्त करते हुए अवैध ढंग से हड़पी गई सरकारी जमीन को नवीन पर्ती के नाम दर्ज करने का आदेश बीते आठ अप्रैल को पारित किया था, जिसके क्रम में शुक्रवार को उक्त भूमि नवीन पर्ती के नाम दर्ज करा दी गई है।

इस कूट रचना में शामिल झूठे गवाहों एवं अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने की बात डीएम ने कही है। डीएम अरविंद सिंह ने बताया कि न्यायालय में शपथ पत्र पर कूट रचित दस्तावेज देना एवं न्यायालय को गुमराह कर अपने पक्ष में लाभ लेना समान प्रकार से अवमानना की श्रेणी में आता है। कहा कि अपने न्यायालय की अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाएगी। ऐसे लोगों के खिलाफ जिन्होंने उपरोक्त मामले में झूठे साक्ष्य एवं गवाह बने हैं उनके ऊपर न्यायालय में शपथ पत्र पर गलत साक्ष्य देने का मुकदमा प्रचलित किया जाएगा। गोपनीय जांच एवं साक्ष्यों के आधार पर डीएम ने भू–माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश एडीएम को दिए हैं। जिसके क्रम में उप संचालक चकबंदी/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के न्यायालय में इस प्रकरण पर परिवाद दाखिल किया गया है। न्यायिक प्रक्रिया एवं साक्ष्यों के आधार पर यह सिद्ध हुआ है कि फर्जी तरीके से स्कूल बागवानी के नाम यह जमीन दर्ज कराई गई, जो कभी भी विद्यालय के नाम दर्ज नहीं थी। फर्जी दस्तावेजों के सहारे बेस कीमती जमीन को हथिया लिया गया है। डीएम ने सभी मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारियों एवं वन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि वे भूमि, वन व अन्य किसी भी प्रकार के माफिया को शरण न दें। राजस्व पुलिस व वन विभाग के अधिकारी न्यायालय में लम्बित प्रकरणों में प्रभावी पैरवी करें। न्यायालय में लम्बित प्रकरणों में लापरवाही मिलने पर सम्बन्धित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने सभी माफियाओं को अल्टीमेटम दिया है कि अपनी कार्यशैली बदल दें अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

चैत शुक्ल पक्ष पंचमी को मनाया जाएगा श्री लक्ष्मी नारायण का वार्षिक उत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्रतिष्ठित पीठ श्री अशर्फी भवन में चैत्र रामनवमी के पावन अवसर में भगवान श्री लक्ष्मी नारायण के सन्निधि में विविध धार्मिक अनुष्ठान चल रहे हैं श्री राम रामचरितमानस का नवाह्न परायण वेद पाठ श्रीमद् वाल्मीकि रामायण पाठ पुरुष सूक्त श्री सूक्त पाठ भगवान श्री लक्ष्मी नारायण का आगम पद्धति से पूजन अर्चनवंदन नित्य किया जा रहा है शनिवार को चैत्र शुक्ल पंचमी अशर्फी भवन के आराध्य भगवान श्री लक्ष्मी नारायण के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष में दिव्य अभिषेक 108 कलश द्वारा सरयू जल गौ दूध सर्वोसधी फलों के जूस केशर जल से वेदों के प्रमुख सूक्त पाठ पंच रात्रा गम विधि से किया जाएगा मध्यान में भगवान का दिव्य श्रृंगार आरती तुलसी पुष्प अर्चन का आयोजन जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीधराचार्य जी महाराज के सानिध्य में होगा। श्री महाराज जी ने बताया कि भगवान के जन्मोत्सव पर प्रतिवर्ष उल्लास होता है लेकिन इस वर्ष यह भाव कई गुना बढ़ गया है क्योंकि लंबे संघर्षों के बाद श्री राम अपने जन्मस्थान पर भव्य मंदिर में विराजमान हुई यह उत्सव भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में लोग मना रहे हैं और वर्तमान समय सनातन धर्म को आगे बढ़ने का है। मंदिर परिसर में नवाहपारायण के साथ प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव की भव्य तैयारी चल रही है जो 17 अप्रैल को मनाई जाएगी। उसके पूर्व पंचमी तिथि को श्री लक्ष्मी नारायण भगवान का उत्सव अशर्फी भवन में मनाया जा रहा है।

जीव ईश्वर का अंश है लेकिन कुसंस्कारों के कारण माया में फंस गया है -जगद्गुरु राधेश्याम शास्त्री

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले जन्मोत्सव पर अयोध्या में हर्षोल्लास का वातावरण है और चारों तरफ श्री राम कथा गूंजायमान हो रही है, इसी क्रम में महान्त श्री नृत्यगोपाल दास महाराज की अध्यक्षता में महान्त श्री कमल नयन दास जी महाराज के पावन सानिध्य में श्री राम जन्मभूमि अयोध्या धाम के सुप्रसिद्ध कथावाचक, जगद्गुरु श्री राधेश्याम शास्त्री जी महाराज के श्रीमुख से श्री मणिराम दास छावनी सेवा ट्रस्ट योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय श्री राम कथा सुन मंत्र मुक्त हो रहे हैं लोग, कथा के पंचम दिवस के बेला पर व्यास पीठ से श्री महाराज जी ने बताया कि वपुष ब्रह्मांड सुप्रवृति लंका दुर्ग,रचित मन दनुज मय–रूप धारी हम सबके हृदय में एक–एक लंका बनी हुई है,और इसका निर्माण मन रूपी मय दानव ने इस हृदय रूपी लंका का निर्माण किया है। मय दानव ने त्रेता में रावण की लंका बनाई,और इसी ने द्वापर में युधिष्ठिर का महल बनाया।क्योंकि यह मन तो सतयुग,त्रेता,द्वापर,कलयुग सभी युगों में है।यानी मन के द्वारा धर्म एवं अधर्म दोनों वृत्तियाँ साकार होती हैं।

मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः।घमारा शरीर जड़ है और इसमें जो जीव तत्व है,उसके विषय में कहा गया कि, ईश्वर अंस जीव अविनासी।चेतन अमल सहज सुख रासी।यानी यह जीव ईश्वर का अंश है,और ईश्वर की चेतना,ईश्वर की निर्मलता और ईश्वर की सुखरूपता यह स्वाभाविक रूप से उसके अंश जीव में भी विद्यमान है।लेकिन अनेक जन्मों के कुसंस्कारों के कारण जीव स्वयं माया,मन के बंधनों में फँस गया है।जड़ चेतनहिं ग्रंथि पड़ि गयी। जदपि मृषा,छूटति कठिनयी।जीव'तत्व ही सबको चलाने वाला है अतः सारी इन्द्रियों को,सारे मन को,सारी बुद्धि को चौतन्य रखने वाला तो 'जीव'ही है।किन्तु उसने अपने आपको शरीर मान लिया है,उस उसका स्वरूप ही भूल गया है,इसी सत्य को गोस्वामी जी इस पद में उजागिरत करते हैं।उनका भाव यह है कि सांसारिक सुखों की मृगतृष्णा में फँस कर व्यक्ति काल कवलित हो जाता है।सो माया बस फिरत गोसाईं।बँध्यो कीर, मरकट की नाई।निराकार अव्यक्त परमात्मा ऐसी,माया के द्वारा इस संसार की श्रृष्टि करता है ,जिसके प्रभाव से बड़े बड़े संत,महात्मा से लेकर ब्रह्मा,शिव तक मोहित हो जाते है। अंत में श्री राम कथा के आयोजक नन्द किशोर सक्सेना ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया।

नौकर ने डाक्टर की पत्नी पर किया गंड़ासे से प्रहार, बेटा भी चोटिल

संवाददाता–गोरखपुर। एक डॉक्टर की पत्नी पर उन्हीं के पुराने कर्मचारी ने चाकुओं से हमला कर दिया। जिससे उनकी गर्दन में गंभीर चोटें आई है। मां को बचाने आए बेटे पर भी उसने हमला कर दिया। मां को गर्दन पर तो बेटे को कंधे पर गहरा घाव होते ही दोनों जमीन पर गिरकर तड़पने लगे। वह डॉक्टर से बात करने उनके घर पहुंचा था। लेकिन, वह घर पर नहीं थे। इस दौरान उनकी पत्नी से किसी बात को लेकर उसकी कहासुनी हो गई। वह अपने साथ नारियल काटने वाला चाकू भी साथ लाया था। जिससे उसने हमला कर दिया।

घटना गोरखनाथ पुल के नीचे स्थित समाधान क्लीनिक के डॉक्टर एके सिंह के पत्नी और बेटे के साथ हुई है। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया। हालांकि, भागते वक्त उसकी तस्वीर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। जिस वक्त यह घटना हुई उस वक्त डॉक्टर एके सिंह अपने घर पर मौजूद नहीं थे। आरोपी के भागने के बाद उनकी पत्नी ने इसकी सूचना पुलिस और अपने डॉक्टर पति को दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल मां बेटे को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और दोनों से पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। `च सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया, घायल मां–बेटे को इलाज के लिए भेजा गया है। शुरूआती जांच में पुराने विवाद की बात सामने आई है। आरोपी की तलाश जारी है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। तहरीर मिलते ही केस दर्ज कर होगा।

दरअसल, गोरखनाथ पुल के नीचे हुमायूंपुर उत्तरी के रहने वाले डॉ. अवधेश कुमार सिंह सिंह सरकारी डॉक्टर थे। मौजूदा वक्त में वे रिटायर्ड हो चुके हैं। फिलहाल वे अपने घर पर ही समाधान क्लिनिक चलाते हैं। पुलिस के मुताबिक, तिवारीपुर इलाके के सूरजकुंड माधोपुर का रोहन डॉक्टर के यहां करीब बीते 10 साल से काम करता था। अभी कुछ दिनों पहले डॉक्टर ने उसे काम से हटा दिया था।

शुक्रवार अपराह्न करीब 3 बजे रोहन प्रसाद देने के बहाने डॉ. एके सिंह के घर पहुंचा। उस वक्त डॉक्टर घर पर नहीं थे। उनकी पत्नी कुसुम सिंह और बेटा प्रियांश ही घर पर थे। वो अपने साथ नारियल काटने का चाकू भी लेकर आया था। उसने डॉक्टर की पत्नी से काम के लिए पूछा। उनकी पत्नी ने इस बारे में डॉक्टर साहब से बात करने को कहा।

इसी बात को लेकर रोहन उनकी पत्नी से उलझ गया। उसने डाक्टर की पत्नी के गर्दन पर गड़ासे से हमला कर दिया। उनके चिखने चिल्लानें पर उनका बेटा प्रियांश (23) भी वहां पहुंचा और बीच बचाव करने लगा। लेकिन, उससे रोहन की हाथापाई हुई और उसने प्रियांश पर भी हमला कर दिया। जिसमें उसे भी गंभीर चोटे आई हैं।

गोरखपुर से बसपा के उम्मीदवार घोषित हुए जावेद सिमनानी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर से बसपा के उम्मीदवार जावेद सिमनानी होंगे। उनके नाम की घोषणा बसपा सुप्रीमो मायावती ने कर दी है। छात्र जीवन से राजनीति में आने जावेद सिमनानी वार्ड नंबर 68 मुफ्तीपुर से सपा के जियाउल इस्लाम के खिलाफ पार्षद का चुनाव लड़ चुके हैं। इस चुनाव में वे हार गए थे। लेकिन पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा को देखते हुए उन्हें प्रत्याशी बनाया गया है। जावेद ने बहन मायावती का आभार जताया है। मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली इलाके नखास चौक के पास रहने वाले हाजी नियाज अहमन खान के बेटे जावेद सिमनानी का पूरा परिवार बसपा से जुड़ा है। ग्रेजुएट जावेद छात्र राजनीति में सक्रिय रहे हैं। बताया जाता है कि वह परिवार सहित दो दशक से अधिक समय से बसपा से जुड़कर राजनीति कर रहे हैं। जावेद के बड़े भाई शोएब सिमनानी भी बसपा में हैं। जावेद बसपा में जुड़ने के बाद पहले बूथ अध्यक्ष बने। इसके बाद उनको सेक्टर अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी, जोन कोऑर्डिनेटर, जिला महासचिव, जिला सचिव, जिला उपाध्यक्ष, जिला कोषाध्यक्ष और गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा के प्रभारी के पद पर काम कर चुके हैं। जावेद चार भाइयों में तीसरे नंबर के हैं। उनके परिवार में माता–पिता के अलावा पत्नी यास्मीन और तीन बेटियां शबाना, हबीबा, अदीबा और बेटा हबीदुर्ररहमान हैं। उनके टिकट की घोषणा होने के बाद से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई। जावेद को बधाई देने वालों का तांता लग गया।

बसपा सुप्रीमों की ओर से कुल 45 नामों की घोषणा की जा चुकी है। शुक्रवार को जारी चौथी सूची में गोरखपुर और बस्ती मंडल सहित कुल नौ लोकसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। इनमें गोरखपुर से जावेद सिमनानी, बस्ती से दयाशंकर मिश्रा, आजमगढ़ से भीम राजभर, घोसी से बालकृष्ण चौहान, फैजाबाद से सच्चिदानंद पांडेय, एटा से मो. इरफान, धौरहरा से श्याम किशोर अवस्थी, चंदौली से सत्येंद्र कुमार मौर्य और रॉबर्टगंज से धनेश्वर गौतम प्रत्याशी बनाए गए हैं।

हर सप्ताह ऑनलाइन देनी होगी नामांकन की सूचना

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के परिषदीय स्कूलों में नामांकन की अब हर सप्ताह समीक्षा होगी। शिक्षकों को ऑनलाइन विवरण उपलब्ध कराना होगा। आउट ऑफ स्कूल बच्चों को चिन्हित कर उनका नामांकन भी अभियान चलाकर कराया जाएगा। इसके लिए शिक्षा निदेशक बेसिक प्रताप सिंह बघेल ने सभी बीएसए को आदेश जारी किया है।

आदेश के अनुसार एक अप्रैल से छह अप्रैल के बीच नामांकन की सूचना नौ से 10 अप्रैल तक उपलब्ध करना था। वहीं 08 से 13 अप्रैल तक नामांकित छात्र–छात्राओं की सूचना 14 से 16 अप्रैल तक उपलब्ध कराना होगा। 15 से 20 अप्रैल के बीच हुए नामांकन की सूचना 21 से 23 अप्रैल तक अपलोड करना होगा। 22 से 30 अप्रैल तक की सूचना एक मई से तीन मई के बीच अपलोड करना होगा। इसके अलावा एक अप्रैल को छह वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले बच्चों का ही नामांकन कक्षा एक में कराया जाएगा। इससे कम उम्र के बच्चों का नामांकन बाल वाटिका में कराने का निर्देश दिया गया है। नामांकन के 15 दिन के भीतर आधार कार्ड बनवाने पर भी जोर है।

चुनाव को लेकर दी गई जिम्मेदारियां

संवाददाता–गोरखपुर। भाजपा लोकसभा चुनाव संचालन समिति की बैठक केंद्रीय कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता के नेतृत्व में हुआ। इसमें लोकसभा चुनाव को लेकर अनुसूचित मोर्चा के सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई। अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग मझवार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, उज्जवला गैस योजना जैसी विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं।

भगवान शिव का विवाह मंगलकारी है

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भगवान शिव का विवाह मंगलकारी है। वे धर्म की सवारी कर वृषभ पर बैठकर बारात लेकर निकले। उनका भेष भले ही विलक्षण हो किन्तु वे समाज को संदेश देते हैं कि विवाह संस्कार में अनावश्यक प्रदर्शन न किया जाय। शंकर जी की बरात में दुनिया के सभी विलक्षण जीव थे। देवता से लेकर भूत–पिशाच तक इस बरात में शामिल हुए। यह सद् विचार कथा व्यास रूद्रनाथ मिश्र ने श्रीराम जानकी मंदिर निपनिया चौराहा में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त दसकोलवा में आयोजित 9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ और श्रीराम कथा में व्यक्त किया।

महात्मा जी ने कहा कि बारात जब हिमांचल राज के यहां पहुंची तो माता मैना देवी भगवान शिव की आरती करते वक्त बेहोश हो गईं। विद्वानों का कहना है कि मैना देवी को लगा कि जिसने सिर पर चंद्रमा धारण किया हो उसकी आरती एक छोटे दीपक से कैसे हो सकती है। इसी प्रकार जिसकी जटाओं से गंगा जी निकली हों उसकी पूजा एक लोटा जल से कैसे हो सकता है। बरात का यथोचित स्वागत के बाद वैदिक रीति रिवाज से विवाह संपन्न कराया गया।

अंकितदास जी महाराज श्री कहा कि श्रीराम का जीवन तो ऐसा पवित्र है कि उनका स्मरणमात्र से हम पवित्र हो जाते है। श्रीराम की मातृ पितृ भक्ति अलौकिक है। वशिष्ठी की नगरी बस्ती धन्य है जहां पुत्रेष्टि यज्ञ से परमात्मा का अवतार हुआ। दशरथ के पास वशिष्ठ

-9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ, श्रीराम कथा

जैसे समर्थ गुरू होने के बाद भी वे निःसन्तान थे, उसका कारण मात्र यही कि उन्होने इच्छा ही प्रकट नहीं किया। जैसे ही दशरथ जी ने इच्छा प्रकट किया श्रृंगीऋषि के मार्ग दर्शन में यज्ञ अनुष्ठान सफल हुआ। धरती पर श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का जन्म हुआ। दशरथ के घर साक्षात पर ब्रम्ह श्री हरि पैदा हुये। जो निर्गुण थे वही भक्तों के प्रेम के कारण सगुण हो गये। चैत्र मास शुक्ल पक्ष और नवमी तिथि को मध्यान्ह में श्रीराम ने धरा पर अवतार लिया। कथा पाण्डाल में जैसे ही श्रीराम का जन्म हुआ 'भए प्रगट कृपाला, दीन दयाला, कौशल्या हितकारी'' के गान के साथ वातावरण प्रसन्नता से भर गया। श्रद्धालु भक्तों ने फूलों की वर्षा किया और सियावरराम चन्द्र की गूंज से कथा पाण्डाल गूंज उठा। यज्ञाचार्य नीरज शास्त्री ने मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा में मूर्तियों को घी, मधु, दही, पंचामृत से स्नान कराकर कुण्ड में अग्नि प्रज्जवलित कराया। ब्रम्हलीन बाबा महादेव दास की स्मृति में आयोजित 9 दिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान में मुख्य रूप से प्रभात शास्त्री, आशुतोष दास, आदित्यदास, नीरज दास, ऋतिक दास, ओम नरायन, संगम शुक्ल, मुख्य यजमानगण दयाशंकर, राजकुमारी, नागेन्द्र मिश्र , राम सोहरत, शान्ती देवी, कौशल कुमार, कुसुम, सुनील पाण्डेय, मीरा देवी, सुल्ताना बाबा, सरोज मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल रहे।

पुलिस ने 6 बदमाशों पर लगाया गैंगस्टर

संवाददाता–गोरखपुर। बदमाशों पर शिकंजा कसने के लिए गोरखपुर पुलिस का अभियान जारी है। पुलिस ने एक बार फिर 6 बदमाशों पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। इनमें दो बदमाश गैंग बनाकर लोगों से धोखाधड़ी करते थे। जबकि, 4 बदमाश गैंग बनाकर चोरी, लूट जैसे संगीन अपराधों को अंजाम देते थे।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर कैंट पुलिस ने इन बदमाशों पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई पूरी कर अनुमोदन के लिए डीएम को भेजी थी। डीएम की स्वीकृति मिलते ही सभी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया, गैंग लीडर अक्षय कुमार मिश्रा निवासी रामपुर मलौली खजनी, और गैंग का सदस्य अजय कुमार श्रीवास्तव निवासी छपरा खुर्द थाना एकौना, देवरिया का एक गैंग है। यह गैंग पब्लिक से पहले अनुबंध पर जमीन लेता है और फिर आम लोगों को बहला–फुसलाकर जमीन का लालच देकर पैसा हड़प लेने जैसे अपराध करता है।

इस गैंग के लोगों का आम पब्लिक में भय और आतंक है। जिसके वजह से अब इनपर अंकुश लगाने पुलिस ने गैंग चार्ट तैयार कर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। दोनों पर पहले से कैंट थाना में 7–7 केस दर्ज हैं।

वहीं, दूसरा गैंग में गैंग लीडर करन डोम उर्फ करन हरिजन निवासी लाल डिग्गी राजघाट अपने साथी रोहित उर्फ चकवा उर्फ राजा है। इस गैंग में शनि उर्फ पकवा उर्फ अर्जुन निवासी मिलेनियम सिटी करीम नगर चिलुआताल और महावीर कुमार पटेल निवासी भरटोला वार्ड नंबर 6 रुद्रपुर थाना रुद्रपुर जनपद देवरिया इस गैंग के सदस्य हैं।

इस गैंग के लोग एक संगठित गिरोह बनाकर चोरी और लूट जैसे अपराध को अंजाम देते थे। सभी के खिलाफ डीएम से अनुमोदन लेकर पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। गैंग लीडर करन डोम पर पहले से 12, रोहित उर्फ चकवा उर्फ राजा पर 10, शनि उर्फ पकवा उर्फ अर्जुन पर 9 और महावीर कुमार पटेल पर 3 केस दर्ज हैं।

ब्लॉक प्रमुख के आवास पर फायरिंग से सनसनी, बाहर खड़े वाहनों को भी कर दिया क्षतिग्रस्त

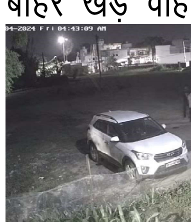

संवाददाता–अयोध्या। दो दिन पूर्व हुए विवाद की रंजिश में रुदौली ब्लॉक प्रमुख शिल्पी सिंह के आवास पर शुक्रवार की सुबह ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। आवास पर खड़े उनके वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने दो नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। रुदौली ब्लॉक प्रमुख शिल्पी सिंह कैंट थाना क्षेत्र के बढ़ई पुरवा स्थित आवास पर शुक्रवार की सुबह फूल तोड़ रही थीं। इस दौरान कुछ लोगों ने उनके आवास पर फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने घर के अंदर भाग कर अपनी जान बचाई तो हमलावरों ने उनके घर पर खड़ी कई लग्जरी गाड़ियों को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया और फरार हो गए। थानाध्यक्ष संजय मौर्य ने बताया कि दो दिन पूर्व ब्लाक प्रमुख के पति सर्वजीत सिंह का खंडासा थाना क्षेत्र में कुछ लोगों से विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। रुदौली निवासी भीम सिंह, अबू सराय निवासी सिंपल सिंह व दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज करके छानबीन की जा रही है।

पूर्व प्रधान ने वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में कर दिया आशा चयन का प्रस्ताव

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर।

संतकबीरनगर जिले के सेमरियावां ब्लाक के एक ग्राम पंचायत के वर्तमान ग्राम प्रधान को ग्राम पंचायत के द्वारा किये गए प्रस्ताव को फर्जी सिद्ध कराने में एक वर्ष से अधिक का समय लग गया। बहरहाल जब इस बात की जानकारी सीएमओं को खंड विकास अधिकारी ने अपने पत्र के माध्यम से दी। बताया कि पूर्व प्रधान का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी वह नए ग्राम प्रधान के कार्यकाल का आशा चयन का प्रस्ताव कर उनकी तैनाती करा दी गई है। इस पत्र के आते ही सीएमओं ने संबंधित आशा के कार्यों पर रोक लगाने के प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए।

सेमरियांवा ब्लाक के ग्राम पंचायत के अहिरौली प्रथम वर्तमान ग्राम प्रधान विनय सिंह ने पूर्व प्रधान मनीराम के द्वारा फर्जी तरीके से आशा पद पर रेखा पत्नी गनेश का चयन कर उसका प्रस्ताव बना कर कार्यालय में भेजने का आरोप लगाया था। यह शिकायती पत्र उन्होंने मार्च माह में 2021 में पूर्व सीएमओ व तत्कालीन खंड विकास अधिकारी को दिया था। जिसमें यह कहा गया था कि 12–12–2020 को यह प्रस्ताव बनाया गया है। इस शिकायती पत्र पर जब खंड विकास अधिकारी ने जांच कराया तो उसमें यह पाया गया कि पूर्व ग्राम प्रधान का कार्यकाल 25–12–2020 को ही समाप्त हो गया था। खंड विकास अधिकारी के निर्देश पर ग्राम पंचायत अधिकारी देवप्रताप ने अवगत कराया गया है कि ग्राम पंचायत के कार्यवाही रजिस्टर में दिनांक 03.11.2020 से दिनांक–19.12.2020 के मध्य कोई भी कार्यवाही रजिस्टर में अंकित नहीं की गई है। जबकि प्रस्ताव 12–12–2020 को बनाया बताया गया था।

आशा बहु श्रीमती रेखा के चयन की कार्यवाही दिनांक–12–12–2020 में दिखाई गई है। ग्राम पंचायत सचिव के इस पत्र के आधार पर खंड विकास अधिकारी ने सीएमओ को पूर्व प्रधान के द्वारा आशा चयन को फर्जी बताया। इस पर सीएमओं डा. रामानुज कनौजिया ने समवंधित आशा के कार्यों पर रोक लगाने के निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारी सेमरियावां को दिये।

एक से रेप में गया जेल, छूटने के बाद दूसरी से करेगा शादी

संवाददाता–गोरखपुर। शादी का झांसा देकर दो लड़कियों से प्रेम संबंध बनाना गोरखनाथ इलाके के एक युवक को काफी महंगा पड़ गया। एक से शादी पक्की हुई तो दूसरे के साथ दुष्कर्म के मामले में उसे अब जेल जाना पड़ा है। जेल से छूटने के बाद वह शादी करेगा। हालांकि इससे पहले दोनों लड़कियां शादी करना चाहती थीं और युवक भी दोनों से शादी करने को तैयार हो गया था, लेकिन कानून के अनुसार एक से ही शादी हो सकती थी लिहाजा युवक को यह खुद तय करने का मौका मिला कि वह किससे शादी करेगा और किसके साथ दुष्कर्म के मामले में जेल जाएगा। युवक के चुनाव करने के बाद दूसरी लड़की ने उसके खिलाफ दुष्कर्म और धमकी की तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर उसे जेल भेजवा दिया। गोरखनाथ इलाके के लच्छीपुर निवासी सतीश ने शादी का झांसा देकर दो लड़कियों को अपने जाल में फंसा लिया था। आरोप है कि वह दोनों से संबंध बनाता था। दोनों लड़कियां जब शादी का दबाव बनाने लगी तब वह उनसे दूरी बनाने का प्रयास करने लगा। लड़कियों ने अपने घरवालों को इस बारे में जानकारी दी। उनके घरवाले भी शादी के लिए तैयार थे, इसके बाद भी सतीश के इनकार पर एक लड़की उसे पकड़कर थाने ले गई और पुलिस को बताया कि लड़के ने शादी का झांसा देकर संबंध बनाया है और वह उससे शादी करना चाहती है। पुलिस अभी कोई और फैसला लेती इस बीच दूसरी लड़की भी थाने पहुंच गई। उसने भी वही बात बताई, जो पहली लड़की कह रही थी। इस बीच खुद को पुलिस की कार्रवाई से बचाने के लिए सतीश ने दोनों लड़कियों से शादी की हामी भर दी। उधर, दोनों लड़कियां भी तैयार हो गईं लेकिन पुलिसवालों ने बताया कि कानून के मुताबिक ऐसा नहीं हो सकता।

सतीश किसी एक से ही शादी कर सकता है। हालांकि शर्त यह भी थी कि वह जिससे शादी नहीं करेगा, उसके पास लड़के के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए अर्जी देने का हक होगा। सतीश ने काफी सोच समझकर एक लड़की का चुनाव किया जिसके बाद दूसरी लड़की ने उसके ऊपर दुष्कर्म और धमकी की तहरीर दी। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ यह भी तय हुआ कि जेल से छूटने के बाद वह दूसरी लड़की से शादी करेगा ऐसा नहीं करता है तो वह भी उसके खिलाफ केस दर्ज करा सकती है।

इग्नू अध्ययन केन्द्र में विद्यार्थियों का परिचय सत्र आयोजित

अयोध्या–संवाददाता। इग्नू की सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रीना कुमारी ने बताया कि इग्नू में 30 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इग्नू का उद्देश्य दूर–दराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की ओर से विद्यार्थियों को सहायता सेवा प्रदान करने के लिए गूगल मीट, ई–मेल, वाट्सएप ग्रुप एसएमएस एवं चौनल द्वारा सत्रों का आयोजन किया जाता है। यह बातें सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रीना ने डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केन्द्र में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की ओर से परिचय सत्र में बताईं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के काउंसिलिंग सत्रों का आयोजन हिन्दी भाषा में स्वयंप्रभा चौनल द्वारा प्रातः 10 बजे से सजीव प्रसारण किया जाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से इग्नू द्वारा विभिन्न कौशल विकास एवं ज्ञान सम्वर्धन के लिए नये पाठ्यक्रमों को लॉन्च किया जा चुका है। जिसमें हिन्दी व्यवसायिक लेखन, ज्योतिष, वैदिक अध्ययन, अनुवाद अध्ययन, पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्कृत, अरेबिक भाषा में मास्टर डिग्री, माइक्रो स्मॉल एवं मीडियम एन्टरप्राइजेज में स्नातक जिग्री, अमेरिकन साहित्य, ब्रिटिश साहित्य, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया उपन्यास, वास्तुशास्त्र औद्योगिक सुरक्षा में पीजी डिप्लोमा, स्मार्ट सिटी विकास एवं प्रबन्धन पाठ्यक्रम शामिल है। अवध विवि इग्नू अध्ययन केन्द्र के समन्वयक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि जनवरी 2024 सत्र के नव–प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए परिचय सत्र का आयोजन किया गया। इसमें इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा विद्यार्थियों को दूरस्थ शिक्षा प्रणाली व इग्नू नियमावली परिचित कराया गया। संचालन प्रशासनिक अधिकारी डॉ. श्रीष अस्थाना ने किया। इस दौरान सहायक समन्वयक डॉ. रामजीत सिंह यादव, सूरज सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, संतराम व अन्य मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 16/2020

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)संतकबीरनगर

ओम प्रकाश

बनाम

रामचेत आदि

1. सत्य प्रकाश पुत्र रामचेत 2. श्रीमती बुधना पत्नी रामचेत 3. श्रीमती प्रमिला देवी पत्नी सत्य प्रकाश साकिनान मौजा गागरगाड़ तप्पा महसी परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर हाल मुकाम द्वारा राजेश कुमार चौधरी साकिन महसो राजामैदान पोस्ट महसो जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 192/2023

परमात्मा–सायलान

1. परमात्मा पुत्र स्व0 रामलगन 2. सुधीर निषाद 3. आदित्य निषाद पुत्रगण धरमदास 4. सुमित्रा देवी निषाद पत्नी धरमदास निवासीगण ग्राम मूड़घाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 5. अनीता देवी पत्नी मोतीलाल पुत्री धरमदास निवासी मूड़घाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम ग्राम पोखरा बाजार (पोखरामय हसनपुर) तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. कविता निषाद पत्नी विनोद निषाद पुत्री धरमदास निवासी मूड़घाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम बीरउपुर तप्पा नगर हवेली परगना नगर पूरव तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 7. रेनू निषाद पुत्री धरमदास 8. सरिता निषाद पुत्री धरमदास निवासी मूड़घाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 9. राजमुनि पत्नी अमरनाथ पुत्री रामलगन निवासी मूड़घाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम ग्राम खखराखुर्द कला तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती 10. मेनका पत्नी कनिकराम पुत्री रामलगन ग्राम नदाये पोस्ट संग्रामपुर तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती हाल मुकाम निवासी मूड़घाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 11. कलवाती देवी पत्नी भईयाराम पुत्री रामलगन निवासी मूड़घाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम रघुनाथपुर तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 24–04–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 24–04–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 24/2024

वीरेन्द्र कुमार–सायलान

1. वीरेन्द्र कुमार उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र हीरालाल यादव निवासी ग्राम धोबहट तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–05–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 20–05–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 1043/2019

अदालत–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

जुगुन

बनाम

श्रीमती शोभा

1. श्रीमती शोभा उम्र लगभग 33 वर्ष पत्नी गंगाराम निवासी ग्राम बेम्वहना तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्त

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. चौधरी उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र मंगरू निवासी ग्राम बेम्वहना तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्त

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 21–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com